ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–52
दिनांकः शुक्रवार,10 जुलाई, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.7 एवं 24.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 93 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 87 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.2 5कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 2.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.7 एवं दोपहर में 34.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।इस अवधि 25.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(11–15 जुलाई, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 11 जुलाई से 15 जुलाई, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- उत्तर बिहार के अधिकांश स्थानों पर 11 से 13 जुलाई के बीच मध्यम वर्षा होने का अनुमान है। समस्तीपुर, सीवान, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, पूर्वी चंपारण तथा पश्चिमी चंपारण जिलों के कुछ स्थानों पर 11–12 जुलाई के आस–पास भारी वर्षा होने की संभावना है। वर्षापात के समय कहीं–कहीं वर्जपात हो सकती है तथा तेज हवा बहने की संभावना है। पूर्वानुमान की अवधि में ज्यादातर दिनों में आसमान में हल्के से घने बादल छा सकते है।
- वर्षा की गतिविधियों के कारण इस सप्ताह अधिकतम तापमान में पिछले सप्ताह की तुलना में कमी रहने की संभावना है। अधिकांश जिलों में अधिकतम तापमान 29–32°C के बीच रहने का अनुमान है, जबकि बेगूसराय, वैशाली एवं सीवान जिलों में यह 34–36°C के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 24–28°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह में सापेक्षिक आर्द्रता 90–95 प्रतिशत तथा दोपहर में सापेक्षिक आर्द्रता 50–55 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है।
- इस दौरान हवाएँ मुख्यतः दक्षिण–पश्चिमी दिशा से 15–20 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- पिछले कुछ दिनों में हुई वर्षा जल का उपयोग करते हुए *प्रभात, राजेन्द्र सरस्वती* एवं *राजेन्द्र भगवती* जैसी अगात किस्मों की बुआई जुलाई मध्य तक करें। कम वर्षा की स्थिति में ऊँचास जमीन में *राजेन्द्र भगवती* एवं *राजेन्द्र नीलम* की सीधी बुआई (डीएसआर) करें। बुआई से पूर्व बीजों का कार्बेन्डाजिम 2.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार करें। 10–15 दिन पुरानी नर्सरी में समय पर खरपतवार नियंत्रण करें। जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है, वे रोपाई करें।
- वर्षा की कमी को देखते हुए किसानों को ऊँचास जमीन में मिलेट्स की खेती अपनाने की सलाह दी जाती है। रागी की *राजेन्द्र मडुआ, आर.यू.*–8 एवं *आर.यू.*–3 तथा कौनी की *राजेन्द्र कौनी*–1 किस्मों की बुआई अच्छी जल निकासी वाली भूमि में करें।
- ऊँचास जमीन में धान के बदले अरहर की खेती कर सकते है। *बहार, पूसा*–9, *राजेन्द्र अरहर*–1 एवं *राजेन्द्र अरहर*–2 अनुशंसित किस्में हैं। अंतिम जुताई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किग्रा नाइट्रोजन, 45 किग्रा फॉस्फोरस, 20 किग्रा पोटाश तथा 20 किग्रा सल्फर का प्रयोग करें। 18–20 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर का उपयोग करें तथा बुआई से पूर्व बीजों का कार्बेन्डाजिम, क्लोरपाइरीफॉस एवं राइजोबियम कल्चर से उपचार कर अच्छी जल निकासी वाले खेत अथवा मेड़ों पर बुआई करें।
- ऊँचास जमीन में सूर्यमुखी का *केबीएसएच*–1, *केबीएसएच*–44, *केबीएसएच*–53 एवं *डीआरएसएच*–1 संकर किस्मों की बुआई करें। अंतिम जुताई के समय प्रति हेक्टेयर 100 क्विंटल अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद, 40 किग्रा नाइट्रोजन, 90 किग्रा फॉस्फोरस, 40 किग्रा पोटाश तथा 30–40 किग्रा सल्फर का प्रयोग करें। संकर किस्मों के लिए 5 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें। बीजों को ठंडे पानी में भिगोकर 5–6 घंटे छाया में सुखाएँ तथा थायरम/कैप्टाफ 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार कर 60×30 सेमी की दूरी पर बुआई करें।
- जुलाई–अगस्त का महीना आम के पौधों की रोपाई के लिए अनुकूल है। गड्ढों की मिट्टी बैठ जाने पर पौधों का रोपणी करें। कलमी आम के लिए 10×10 मीटर तथा बीजू आम के लिए 12×12 मीटर की दूरी रखें। अम्रपाली किस्म की सघन बागवानी 2.5×2.5 मीटर की दूरी पर की जा सकती है। परिपक्व वृक्षों में प्रति वर्ष प्रति पौधा 1 किलोग्राम नाइट्रोजन, 300 ग्राम फॉस्फोरस, 700 ग्राम पोटाश तथा 80–100 किलोग्राम अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद का प्रयोग करें।
- पशुओं को समय पर कृमिनाशक दवा दें तथा लंगड़ी रोग (बी.क्यू.), गलघोटू (एच.एस.) एवं एन्थ्रैक्स से बचाव हेतु पशु चिकित्सक की सलाह के अनुसार टीकाकरण कराएँ। पशुओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार दें। प्रत्येक पशु को जीवन–निर्वाह हेतु प्रतिदिन 1 किलोग्राम सांद्र आहार तथा प्रत्येक 2–2.5 लीटर दूध उत्पादन पर 1 किलोग्राम अतिरिक्त सांद्र आहार खिलाएँ। पशुओं को हमेशा स्वच्छ एवं ताजा पेयजल उपलब्ध कराएँ तथा वर्षा का गंदा या दूषित पानी पीने से बचाएँ।

आज का अधिकतम तापमानः 31.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.0 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 24.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी